भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
14.12.2022 के
अतारांकित प्रश्न सं. 1204 का उत्तर

नई पिट लाइनें

1204. श्री मोहनभाई कुंडारिया:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने विगत पांच वर्षों के दौरान पश्चिम रेलवे जोन में मंडल-वार नई पिट लाइने स्वीकृत की है;
(ख) यदि हां, तो इसके शुरू और समापन तिथि सहित तत्संबंधी मंडल-वार ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या राजकोट की पिट लाइन राजधानी, वंदे भारत और गतिमान जैसी ट्रेनों सहित प्राथमिक और गौण रखरखाव का प्रबंध करने में सक्षम है;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

s.k

नई पिट लाइनों के संबंध में 14.12.2022 को लोक सभा में श्री मोहनभाई कुंडारिया के अतारांकित प्रश्न सं. 1204 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) और (ख): पिछले 5 वर्षों में पश्चिम रेलवे में गर्त लाइनों के अनुमोदन से संबंधित निम्नानुसार कार्य स्वीकृत किए गए हैं:-

क्र. सं.	स्टेशन/मंडल	कार्य का नाम	गर्त लाइनों की संख्या	अनुमोदन वर्ष	टिप्पणी
1.	मेमू शेड/ वडोदरा मंडल	वडोदरा यार्ड- 16 कार 30 रेक को रखने के लिए मेमू कार शेड का विस्तार एवं आधुनिकीकरण	02	2017-18	16.05.2018 को कार्य शुरू हुआ।
2.	साबरमती/ अहमदाबाद मंडल	कोचिंग टर्मिनल के परिचालन हेतु शेष सुविधाएं	02	2017-18	कार्य प्रगति पर है। 95% कार्य पूरा हो गया है।
3.	उधना/मुंबई सेंट्रल मंडल	दूसरे टर्मिनल के लिए 02 धुलन सह निरीक्षण गर्त लाइनों का प्रावधान	01	2018-19	कार्य पूरा हो गया है।
4.	राजकोट/ राजकोट मंडल	कैमटेक डिजाइन के अनुसार गत लाइनों का प्रतिस्थापन	01	2018-19	26.06.2019 को कार्य शुरू हुआ।
5.	बांद्रा टर्मिनस/ मुंबई सेंट्रल मंडल	एक स्टैब्लिंग सह धुलन लाइन एवं दो शुष्क गर्त निरिक्षण लाइनों को परिवर्तित करके 03 अदद धुलन सह निरिक्षण गर्त लाइनों का प्रावधान	03	2021-22	विस्तृत अनुमान अनुमोदन के अंतर्गत है।

इन कार्यों का पूरा होना विभिन्न कारकों जैसे भूमि का शीघ्र अधिग्रहण, वन संबंधी अनुमति, यदि कोई हो, बाधक उपयोगिताओं को अंतरण करना, विभिन्न प्राधिकरणों से सांवधिक अनुमति, परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति, आदि पर निर्भर करता है। ये सभी

s.k

कारक परियोजना के समापन समय को प्रभावित करते हैं। इन बाधाओं के बावजूद, कार्य को शीघ्रता से पूरा करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाते हैं।

(ग) से (ङ): राजकोट में मौजूदा गर्त लाइन राजधानी और गतिमान एक्सप्रेस सहित गाड़ियों के प्रारंभिक और गौण अनुरक्षण के लिए उपयुक्त है।

वंदे भारत एक्सप्रेस को मौजूदा अवसंरचना के उन्नयन के साथ परिचालनिक और अनुरक्षण आवश्यकता के अनुसार इस डिपो में अनुरक्षित किया जा सकता है।

****

s.k